हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 27 जुलाई 2026

12 झज्जर से 11 वीर सपूतों ने कारगिल युद्ध में दी थी शहादत

12 देना हो तो दीजिए जन्म-जन्म का साथ पर झूमे श्रद्धालु

खबर संक्षेप

छोटूराम नगर में युवक ने लगाई फांसी

बहादुरगढ़। लाइनपार के छोटूराम नगर में 1 युवक का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पहचान करीब 28 वर्षीय नीरज के रूप में हुई है। नीरज उत्तर प्रदेश मूल से था और पिछले काफी समय से यहां छोटूराम नगर में रहता था। इन दिनों उसकी पत्नी मायके गई हुई है। वह देर शाम को कमरे में था। जब बहन खाना देने के लिए कमरे में गई तो उसका शरीर फंदे पर लटका था। आनन फानन में परिजनों ने उसको संभाला लेकिन देर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने मौत की पुष्टि कर दी।

नशीला पदार्थ गांजा सहित महिला गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा नशीला पदार्थ गांजा सहित एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। शहर थाना प्रभारी निरीक्षक सरिता ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना शहर की पुलिस टीम ने अपने थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक महिला को काबू किया। इसके बाद राजपत्रित अधिकारी को मौके पर बुलाया गया जिसकी मौजूदगी में महिला कर्मचारी द्वारा तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 55 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद गांजे को कब्जे में लेकर आरोपी महिला के खिलाफ थाना शहर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

बुजुर्ग अनकौर की हत्या बनी अनसुलझी पहेली

बहादुरगढ़। बुजुर्ग अनकौर की हत्या की गुत्थी अनसुलझी पहेली बनती जा रही है। मामले में पुलिस की टीमें विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही हैं लेकिन 4 दिन बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस है। हत्यारोपियों की पहचान और वारदात का कारण सवाल बना हुआ है। दरअसल, 77 वर्षीय अनकौर गांव मातन में अकेली रहती थी। कॉल रिसीव न होने के बाद जब नाती, नातिन यहां मातन में पहुंचे तो अनकौर के मकान पर बाहर ताला लगा था। दुर्गंध आने पर शंका हुई तो दरवाजे पर लगा ताला तोड़ा गया।

साइबर ठगी, युवक ने गंवाए 3.47 लाख रुपये

झज्जर। शहर के एक निजी अस्पताल में कार्यरत कर्मचारी के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में जिले के गांव धांधलान निवासी मोहित ने बताया कि वह एक निजी अस्पताल के एक्स-रे विभाग में कार्यरत है। बीती छह जुलाई को उसके पास टेलीग्राम एक एक लिंक आया। जिस पर क्लिक करने के बाद उसने ठगों के बताए अनुसार अलग-अलग खातों में यूपीआई के माध्यम से 3,47,200 रुपये भेजे दिए। इसके बाद जब उसे ठगी का आभास हुआ तो उसने साइबर पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

छात्रा के बैग से आई फोन व पर्स चोरी

बहादुरगढ़। बालोर रोड स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में परीक्षा देने आई एक छात्रा के बैग से आई फोन 16 व पर्स चोरी हो गया। छात्रा ने पुलिस को शिकायत दे दी है। सेक्टर 9 चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात दिल्ली की निवासी मुस्कान के साथ हुई है। मुस्कान का कहना है कि वह बीएड दूसरे वर्ष की छात्रा है। फिलहाल परीक्षाएं चल रही हैं। वह परीक्षा देने के लिए शनिवार को कॉलेज में आई थी। परीक्षा देने से पहले बैग बाहर रख दिया। जब कक्ष से बाहर निकली तो बैग से आई फोन व पर्स गायब मिला।

बहादुरगढ़ जीआरपी क्षेत्र में इस वर्ष करीब 50 मौतें

बंद फाटक के बावजूद चलती ट्रेन के पास खड़ा होना पड़ सकता है भारी

छोटे बच्चों को साथ लेकर ट्रैक पार करना और ट्रेन के पास खड़ा होना बड़ी लापरवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रेलवे ट्रैक पर आए दिन ट्रेन की चपेट में आने से लोगों की मौत हो रही है। इस साल अभी तक बहादुरगढ़ जीआरपी सीमा में लगभग 50 लोगों की जान ट्रैक पर जा चुकी है। लगातार हो रहे हादसों के बावजूद लोग सबक नहीं ले रहे। फाटक बंद होने के बावजूद लोग नीचे से या साइड से निकलकर ट्रैक क्रास करने लगते हैं। कई बार तो ट्रैक पर ट्रेन फर्राटा भर रही होती है, इसके बावजूद लोग खड़े रहते हैं। बहुत से लोगों के साथ तो छोटे बच्चे तक होते हैं। बच्चों को सही सीख देने के बजाय उन्हें लापरवाही और जोखिम से रूबरू कराया जाता है। कोई अंगुली थाम कर बच्चे के साथ ट्रैक किनारे खड़ा हो जाता है तो कोई अपनी संतान को गोद में लेकर खड़ा रहता है। यह दृश्य न केवल जोखिमभरा बल्कि घोर लापरवाही भरा रहता है। इन्हें कोई रोकने टोकने वाला नहीं होता। ऐसी स्थिति में बच्चों में भी लापरवाही का भाव पैदा होता है। इस दिशा में रेलवे प्रशासन, पुलिस आदि को सख्ती बरतने की जरूरत है। ट्रैक व फाटकों के आसपास निगरानी बढ़ाई जाए। फाटक बंद होने पर जो भी गलत तरीके से नीचे या साइड से निकले उस पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि हादसों में कमी आए।

बहादुरगढ़। ट्रैक पार कर चलती ट्रेन के पास खड़े लोग।

सिटी पल्स

लोग करते हैं जल्दबाजी

विजय शेखावत ने बताया कि बराही रेलवे फाटके कई-कई मिनट तक दिन में अनेक बार बंद होती हैं। इसलिए लोग जल्दबाजी करते हैं। माता-पिता अपने बच्चों के सामने ऐसी हरकत करेंगे तो बच्चे भी ऐसा ही दोहराएंगे। बंद फाटक को पार करना कानूनी अपराध है। लोग जल्दीबाजी में अपनी जान जोखिम में डालते हैं, जिससे दुर्घटनाएं होती हैं और ट्रेनों का संचालन भी बाधित होता है।

फाटक बंद होने से होती है देरी

भूपेंद्र वर्मा के अनुसार कई बार फाटक बहुत लंबे समय तक बंद रहते हैं, जिससे दफ्तर या जरूरी काम के लिए देर हो जाती है। जल्दबाजी के कारण लोग मजबूरी में रिस्क लेते हैं। एक पल की जल्दबाजी पूरे परिवार को कभी न भरने वाला जख्म दे जाती है। समय की कीमत जान से बढ़कर कभी नहीं हो सकती, इसलिए नियमों का पालन बेहद जरूरी है।

वैकल्पिक व्यवस्था जरूरी

नरेंद्र दहिया के अनुसार जिन फाटकों पर आबादी का दबाव अधिक है, वहां वैकल्पिक व्यवस्था जरूरी है। विशेषकर बराही फाटक और छोटूराम नगर फाटक पर तो अंडर पास या आरओबी बनाए जाने की बेहद दरकार है। जब तक लोग खुद जागरूक नहीं होंगे और अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक ऐसे हादसों को पूरी तरह रोकना नामुमकिन है।

अज्ञात कारणों के चलते महिला ने फांसी लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के छारा चुंगी क्षेत्र में एक महिला ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान करीब 29 वर्षीया पूनम पत्नी राकेश के तौर पर हुई है। मृतका एक बेटे और बेटी की मां की थी। सुबह जब घर पर कोई नहीं था उसने घर के पंखे में फांसी का फंदा लगा लिया। परिजनों को जब पता चला तो उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को फांसी के फंदे से उतरवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल के शवगृह भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी जगबीर सिंह ने बताया कि मृतका के पिता पाटौदा निवासी शिव कुमार के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से रोड रोलर चालक की मौत

झज्जर। पोस्टमार्टम के दौरान नागरिक अस्पताल परिसर में उपस्थित पुलिसकर्मी एवं परिजन।

झज्जर। क्षेत्र के गांव कुलाना के नजदीक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान जिले के गांव अमादलपुर निवासी करीब 54 वर्षीय कृष्ण कुमार पुत्र शीशराम के तौर पर हुई है। कृष्ण कुलाना स्थित एक निजी कंपनी में रोड रोलर चालक का कार्य करता था। पुलिस को दी शिकायत में मृतक के चचेरे भाई बाबूलाल ने बताया कि रविवार की सुबह करीब आठ बजे उसके चचेरा भाई कृष्ण कुमार किसी कार्य से पैदल कुलाना जा रहा था। बीच रास्ते उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिस कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। पुलिस द्वारा शिकायत के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सीआईए की टीम ने अवैध कारतूस सहित दो आरोपी किए गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सीआईए की एक टीम द्वारा अवैध जिंदा कारतूस सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सीआईए प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि घनवीर निवासी गांव गोठड़ा, जिला चरखी दादरी अवैध जिंदा कारतूस लेकर चरखी दादरी की ओर से रेलवे लाइन के साथ बने रास्ते से अपने गांव जाने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नाकाबंदी की। इसी दौरान एक युवक पैदल आता दिखाई दिया, जिसे संदेह के आधार पर पकड़ कर पूछताछ की गई। उसने अपनी पहचान घनवीर निवासी गोठड़ा के रूप में बताई। नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 11 जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। रिमांड के दौरान पूछताछ के आधार पर नवीन निवासी ढलानवास, जिला झज्जर को भी मामले में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया। जहां से दोनों आरोपियों को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

झज्जर। पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ।

विधायक ने किया नया गांव के सरकारी स्कूल का निरीक्षण

- जर्जर भवन और अधूरे कमरों की समस्या के समाधान का राजेश जून ने दिया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने नया गांव के सरकारी स्कूल का निरीक्षण किया और वहां मौजूद समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान प्राचार्य, पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने विधायक को स्कूल की जर्जर इमारत, अधूरे निर्माण कार्य और अन्य आवश्यकताओं से अवगत कराया। स्कूल प्राचार्य ने विधायक को बताया कि 12वीं कक्षा तक के इस विद्यालय में करीब 350 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, लेकिन स्कूल भवन काफी पुराना और जर्जर हो चुका है। उन्होंने बताया कि स्कूल में चार नए कमरों का निर्माण कार्य शुरू तो हुआ था, लेकिन लंबे समय से अधूरा पड़ा है, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने विद्यालय की पूरी बिल्डिंग नई बनाए जाने की मांग भी रखी।

निरीक्षण के बाद विधायक राजेश जून ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्कूल की नई बिल्डिंग के निर्माण के लिए शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से जल्द बातचीत कर एस्टीमेट तैयार कराया जाएगा और आवश्यक स्वीकृतियां लेकर निर्माण कार्य शुरू करवाया जाएगा। साथ ही अधूरे पड़े कमरों का निर्माण भी जल्द पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा।

बहादुरगढ़। नया गांव स्कूल में अधूरा पड़ा कमरों का निर्माण।

बहादुरगढ़। स्कूल के जर्जर कमरों का जायजा लेते विधायक।

शिक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

विधायक राजेश जून ने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। आज के बच्चे ही कल के भारत का भविष्य हैं, इसलिए उनकी शिक्षा और सुविधाओं से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को स्कूल की अन्य समस्याओं का भी शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अवैध शराब और बीयर से भरा कैंटर पकड़ा, दो आरोपी काबू

- कैंटर से बरामद हुई 454 पेटी अवैध शराब व बीयर

झज्जर। रविवार को सीआईए और आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 454 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद की गई। पुलिस ने कैंटर चालक और परिचालक को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार सीआईए की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि एक लाल रंग का कैंटर अवैध शराब लेकर कलानौर की ओर से बेरी होते हुए जहाजगढ़ की तरफ जाएगा। सूचना के आधार पर बेरी-जहाजगढ़ रोड पर एमपी माजरा के पास नाकाबंदी की गई। कुछ देर बाद संदिग्ध कैंटर को रोककर जांच की गई। चालक ने अपनी पहचान मनीष दहिया निवासी शादीपुर, जिला रेवाड़ी तथा परिचालक ने बित्तू सोनार निवासी असम के रूप में बताई। पूछताछ के दौरान दोनों ने वाहन में चारा होने की बात कही, लेकिन तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब और बीयर की पेटियां मिलीं। इसके बाद आबकारी निरीक्षक को मौके पर बुलाकर जब गिनती कराई गई तो उसमें कुल 454 पेटियां बरामद हुईं।

चार माह पहले पुनर्निर्माण के लिए उखाड़ी गली, बनाना भूला विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

- पैदल निकलना भी हुआ मुश्किल

शहर के कानूनगो मौहल्ला स्थित पूर्व विधायक स्वर्गीय हरिराम वाल्मीकि वाली गली के निवासी पिछले करीब चार माह से नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। शहर के वार्ड नंबर 8 और 14 की इस संयुक्त गली में उखड़ी पड़ी सड़क ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है। गलीवासियों ने बताया कि पहले यहां सीवरेज लीकेज की समस्या थी जिसे अब ठीक कर दिया गया है लेकिन गंदे पानी की निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण नालियों का पानी गली में फैल जाता है। पेयजल सप्लाई के दौरान तो गली की हालत और अधिक दयनीय रहती है। गलीवासियों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद प्रशासन और जनप्रतिनिधि समस्या के समाधान की ओर ध्यान नहीं दे रहे। कालोनीवासी मनोज, संदीप, रतनी देवी, संतोष, हरिसिंह, काशी, मोनू आदि ने बताया कि करीब चार माह पहले सीवरेज और पेयजल लाइन की जांच के नाम पर गली को उखाड़ दिया गया था। इसके बाद विभागीय कर्मचारियों ने कई स्थानों पर गड्ढे खोदकर छोड़ दिए। इन गड्ढों में सीवरेज का पानी भरने से कीचड़ फैल गया है।

झज्जर। गली की खस्ता हालत को दिखाते हुए मोहल्ला निवासी।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में दम दिखाएंगे दीक्षा और सक्षम पहलवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

दीक्षा दलाल।

सक्षम पहलवान।

एक बार फिर जिले के पहलवान अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का परचम लहराने को तैयार हैं। यहां के 2 पहलवान दीक्षा और सक्षम अजरबेजान में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। दरअसल, अजरबेजान में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक अंडर 17 वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल का चुनाव हो चुका हैं। झज्जर जिले के सक्षम लोहचब और दीक्षा दलाल दमखम दिखाएंगे। दीक्षा दलाल गांव मांडोठी से है। गांव में ही स्थित हिंद केसरी सोनू अखाड़े में अभ्यास करती है। स्टेट और नेशनल में कई पदक जीते हैं। एशियन चैंपियनशिप में भी देश के लिए 3 मेडल जीत चुकी है। अब पहली बार वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। वह 43 किलोग्राम भारवर्ग में खेलेगी। कोच धर्मेंद्र दलाल ने कहा कि दीक्षा बेहद होनहार है।

इनेलो नेता कपूर राठी ने भाजपा चेयरपर्सन के परिवार पर लगाए टैक्स चोरी के आरोप

चेयरपर्सन व उनके परिजनों पर सवा 20 लाख स्टाम्प रिकवरी के नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वरिष्ठ इनेलो नेता कपूर सिंह राठी ने नगर परिषद चेयरपर्सन व उनके परिजनों पर टैक्स चोरी के गंभीर आरोप लगाए। उनके अनुसार आम नागरिक की रजिस्ट्री में 10 रुपए भी स्टाम्प ड्यूटी कम हो तो तुरंत आपत्ति लगाकर रोक दिया जाता है। जबकि सत्ता से जुड़े चेयरपर्सन परिवार ने करीब निर्धारित से सवा 20 लाख रुपए कम स्टॉम्प देकर रजिस्ट्री करवा दी।

कपूर राठी ने बताया कि झज्जर सर्कल के स्टॉम्प ऑडिटर की जांच में पूरे मामले का खुलासा हुआ है। इसे लेकर 10 मार्च तथा 14 जुलाई को रिकवरी आदेश जारी किए हैं। एक जून 2017 को हुई रजिस्ट्री नंबर-1715 में पूर्व चेयरमैन कर्मबीर राठी की पत्नी दर्शना देवी और चेयरपर्सन सरोज राठी ने निर्धारित से 7 लाख 62 हजार 960 रुपए कम स्टॉम्प का भुगतान किया गया। इसके अलावा 14 जुलाई 2025 को हुई रजिस्ट्री नंबर 3515 के वक्त पूर्व चेयरमैन कर्मबीर राठी के पुत्र कमल राठी, चेयरपर्सन सरोज राठी के पति रमेश राठी व जेठ नरेश राठी आदि ने निर्धारित से 12 लाख 62 हजार 716 रुपए कम स्टॉम्प का भुगतान किया। इन दोनों मामले में जांच उपरांत 10 मार्च व 2 जुलाई को बकाया रकम रिकवरी के आदेश दिए गए। इन आदेशों की अनुपालना में सब रजिस्ट्रार बहादुरगढ़ द्वारा 26 जून व 10 जुलाई को भारतीय स्टाम्प अधिनियम-1899 की धारा 47-ए के तहत कार्रवाई के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। इस रकम की वसूली के आदेश जारी करते हुए भुगतान के लिए एक माह का समय भी दिया गया।

बहादुरगढ़। स्टॉम्प ड्यूटी के मामले का खुलासा करते कपूर राठी व अन्य।

स्टाम्प ड्यूटी मामले में भेदभाव का आरोप

कपूर सिंह राठी ने कहा कि यदि दोनों मामलों को जोड़कर देखा जाए तो लगभग 20 लाख 25 हजार 676 रुपए की स्टाम्प ड्यूटी का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद संबंधित व्यक्तियों द्वारा राशि जमा नहीं कराई गई। उन्होंने कहा कि बहादुरगढ़ को अपने खून पसीने से सींचने वाले आम नागरिकों के लिए अलग कानून है और सत्ता से जुड़े प्रभावशाली लोगों के लिए अलग व्यवस्था लागू है। इससे पहले भी चेयरपर्सन व उनके परिवार पर विकास शुल्क तथा प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़े आरोप सार्वजनिक रूप से उठाए गए थे। अभी तक शासन और प्रशासन ने उस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। अब यह स्टाम्प ड्यूटी का मामला गंभीर प्रश्न खड़े करता है। आम व्यक्ति से एक-एक रुपये का राजस्व सख्ती से वसूलने वाला विभाग भाजपा नेताओं पर मेहरबान है। यदि चेयरपर्सन को विकास शुल्क, संपत्ति कर और स्टाम्प ड्यूटी में यह छूट मिल सकती है, तो आमजन को भी ऐसी छूट मिलनी चाहिए। इस मौके पर रामनिवास सैनी, दीपक प्रधान, पूर्व पार्षद रोशन मलिक, सूरज राजपूत, रण सिंह तूर, देवराज गंभीर, अमित बहराणा, ओमप्रकाश डोरा, प्रमोद कौशिक, देवेंद्र दहिया, देवेंद्र राठी, राज सिंह वर्मा, मास्टर सुखबीर सरोहा, शेखर राठी, कौशल किशोर व प्रवीण राठी आदि मौजूद रहे

राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित हैं युवा

बहादुरगढ़। प्रोफेसर सीमा प्रवीन दलाल के अनुसार भारत का युवा अब शिक्षा, रोजगार, समान अवसर और अपने संवैधानिक अधिकारों के

प्रति जागरूक हो रहा है। इसी कारण दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन में हजारों युवाओं ने शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद की। ताजा आंदोलन नई पीढ़ी के जागरण का प्रतीक है। जब युवा जागता है, तो देश का भविष्य बदलता है। जैन-जी ने साबित कर दिया है कि वह केवल सोशल मीडिया की पीढ़ी नहीं, बल्कि संविधान, शिक्षा, अधिकार और राष्ट्र निर्माण के लिए संघर्ष करने वाली जिम्मेदार पीढ़ी है।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

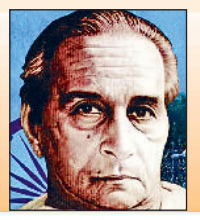

कहानी

डॉ. मधुकांत

डरा-सहमा बाप

भूशरण उसे देखकर कांप उठा, पर कुछ बोल न सका। वह बस दीवार की ओर मुँह करके सो जाने का नाटक करने लगा। उसे अपने ही घर में अपने ही बेटे से डर लगने लगा था।

दोपहर का समय था। बाजार की गहमागहमी के बीच भूशरण अपनी कपड़े की छोटी सी दुकान में लकड़ी के पुराने काउंटर के पीछे बैठा था। पंखा अपनी पूरी रफ्तार से चल रहा था, लेकिन उसके माथे पर पसीने की बूंदें साफ चमक रही थीं। उसकी नजरें सामने की सड़क पर थीं, पर मन कहीं दूर अतीत की गलियों और भविष्य की चिंताओं में भटका हुआ था। तभी उसका पुराना मित्र रामेश्वर दुकान में दाखिल हुआ। उसने देखा कि भूशरण ने उसे आते हुए भी नहीं देखा।

रामेश्वर ने कंधे पर हाथ रखा, 'क्यों भूशरण भाई! आज किस दुनिया में खोए हो? ग्राहक खड़ा हो जाए तो शायद तुम्हें पता भी न चले।' भूशरण ने हड़बड़ा कर लंबी सांस ली, 'आओ रामेश्वर, बस यूँ ही... घर-गृहस्थी की बातें हैं।' रामेश्वर पास पड़े स्टूल पर बैठ गया और बोला, 'देखो भाई, चेहरा मन का दर्पण होता है। तुम्हारी आँखों की ये गहरी झुर्रियां बता रही हैं कि मामला मामूली नहीं है। सुना है दुख बांटने से हल्का होता है, शायद कोई समाधान ही निकल आए।' भूशरण का गला भर आया। उसने डबडबाई आँखों से कहा, 'रामेश्वर, समाज में हम 'लड़का-लड़का' कहकर छाती चौड़ी करते हैं, पर जब वही लड़का बड़ा होकर बाप को आँखें दिखाने लगे, तो कलेजा फट जाता है। बेटी राखी का विवाह किया तो लगा कंधों का बोझ उतर गया, पर यह धीरेंद्र... इसने तो नाक में दम कर रखा है। न पढ़ाई में मन लगाता है, न दुकान पर बैठता है। आवारागर्दी और बदतमीजी इसकी पहचान बन गई है।' रामेश्वर ने सहानुभूति से कहा, 'आजकल की हवा ही खराब है भूषण। पर तू एक काम कर, तू उसका बाप है, पर वो शायद तेरी बात न माने। तू चुपचाप उसके स्कूल जा और मास्टर जी से मिल। शिक्षक का भय और सम्मान आज भी बच्चों के मन में होता है।' अगले दिन भूशरण भारी मन से धीरेंद्र के स्कूल पहुँचा। गलियारे में चलते हुए उसे डर लग रहा था कि कहीं धीरेंद्र उसे देख न ले। वह प्रधानाध्यापक के कमरे में पहुँचा। मास्टर जी ने चश्मा ठीक करते हुए पूछा, 'जी, आप कौन? क्या काम है?' 'जी, मैं धीरेंद्र का पिता हूँ,' भूशरण ने हाथ जोड़कर कहा। मास्टर जी के तेवर बदल गए, 'अच्छा, तो आप हैं उसके पिता! धीरेंद्र तो एकदम नालायक है। कक्षा में पीछे बैठकर शोर मचाता है, दूसरों को पढ़ने नहीं देता और सुना है कि स्कूल के बाहर गलत लड़कों के साथ उठता-बैठता है। आप उसे घर पर कुछ कहते नहीं?'

भूशरण की आँखें झुक गईं। 'मास्टर जी, इसीलिए आपके पास आया हूँ। आप उसे समझाइए, थोड़ा डराइए। शायद आपकी बात मानकर वह सुधर जाए और सही रास्ते पर आ जाए।' फिर स्वर धीमा करते हुए उसने कहा, 'पर मास्टर जी, मेरा एक निवेदन है... उसे यह मत बताइएगा कि मैं शिकायत लेकर आया था।' मास्टर जी हैरान रह गए, 'क्यों भाई? आप उसके पिता हैं या कोई अजनबी? इतना डर क्यों? आजकल सरकार ने हमारे हाथ बांध रखे हैं कि हम बच्चों पर हाथ नहीं उठा सकते, पर आप तो उसे डांट सकते हैं।' भूशरण ने लाचारी से सिर हिलाया, 'मास्टर जी, आप नहीं समझेंगे। आजकल एक ही बेटा है। डर लगता है कि कहीं ज्यादा टोकने पर घर छोड़कर न भाग जाए या कुछ कर न बैठे। बस आप अपने स्तर पर देख लीजिए।' यह कहकर भूशरण एक अपराधी की तरह चुपचाप स्कूल से बाहर निकल आया। उसे नहीं पता था कि यह 'गोपनीयता' ज्यादा देर नहीं टिकेगी। दोपहर को जब धीरेंद्र स्कूल से लौटा, उसका चेहरा गुस्से से तमतमाया हुआ था। उसके दोस्तों ने उसे बता दिया था कि उसका 'बुड्ढा' बाप स्कूल में उसकी मुखबिरी करने आया था। घर में घुसते ही उसने जोर से बस्ता पटका। 'बापू! आपकी हिम्मत कैसे हुई स्कूल जाकर मेरी बुराई करने की?' धीरेंद्र चीखा। भूशरण के हाथ कांपने लगे, 'बेटा, मैं तो बस तुम्हारी भलाई के लिए...' 'चुप रहिए! आपने मुझे सबके सामने जलील किया है। अब देखिए मैं क्या करता हूँ!' धीरेंद्र चिल्लाता हुआ अपने कमरे में गया और दरवाजा अंदर से जोर से बंद कर लिया। शाम ढल गई। घर में चूल्हा नहीं जला। माँ रमी बार-बार दरवाजे पर दस्तक दे रही थी, 'धीरेंद्र बेटा, कुंडी खोल। देख माँ ने तेरे लिए परांठे बनाए हैं। बाहर आ जा बेटा!' अंदर से कोई आवाज नहीं आई। रमी रोने लगी और भूशरण को कोसने लगी, 'क्यों गए थे स्कूल? देख लीजिए, अगर मेरे बेटे ने कुछ कर लिया तो मैं जान दे दूंगी।' भूशरण जो खुद डरा हुआ था, अब गिड़गिड़ाने लगा, 'बेटा धीरेंद्र, दरवाजा खोल दे। मैं कान पकड़ता हूँ, अब कभी स्कूल नहीं जाऊंगा। जो तू कहेगा वही होगा। बस बाहर आ जा।' घंटों के मिन्नतों के बाद धीरेंद्र ने दरवाजा खोला।

> धीरेंद्र चिल्लाता हुआ अपने कमरे में गया और दरवाजा अंदर से जोर से बंद कर लिया। शाम ढल गई। घर में चूल्हा नहीं जला। माँ रमी बार-बार दरवाजे पर दस्तक दे रही थी, 'धीरेंद्र बेटा, कुंडी खोल। देख माँ ने तेरे लिए परांठे बनाए हैं। बाहर आ जा बेटा!' अंदर से कोई आवाज नहीं आई।

उसके चेहरे पर जीत की कुटिल मुस्कान थी। उसने जान लिया था कि उसके माता-पिता उसके 'गुस्से' के गुलाम हैं। समय बीतता गया, पर धीरेंद्र की आदतें नहीं बदलीं। दसवीं कक्षा में पहुँचते ही उसने नई मांग रख दी-मोटरसाइकिल।' बाबूजी, मुझे स्कूल जाने के लिए बाइक चाहिए। मेरे सभी दोस्तों के पास है,' उसने आदेशात्मक लहजे में कहा। भूशरण ने समझाने की कोशिश की, 'बेटा, अभी दुकान की हालत ठीक नहीं है। थोड़ा रुक जा, ग्यारहवीं में दिला दूंगा। 'धीरेंद्र का पारा चढ़ गया, 'हमेशा का यही रोना है! आपके पास मेरे लिए पैसे नहीं होते। ठीक है, अब मैं घर तभी आऊंगा जब बाइक आएगी।' वह गुस्से में घर से निकल गया। रात के दस बजे, फिर ग्यारह... धीरेंद्र नहीं लौटा। रमी का रो-रोकर बुरा हाल था। मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। भूशरण पागलों की तरह गलियों में उसे ढूंढ रहा था। रिश्तेदारों ने धीरेंद्र को ढूंढने के बजाय भूशरण को ही उपदेश देना शुरू कर दिया, 'भाई साहब, जमाना बदल गया है। बच्चों को प्यार से रखना पड़ता है। उसकी जिद पूरी कर देते तो क्या बिगड़ जाता?' अगली सुबह धीरेंद्र एक पार्क में बेंच पर सोता हुआ मिला। जब वह घर आया, तो भूशरण ने उसे गले लगाने के बजाय उसके सामने आत्मसमर्पण कर दिया। 'बेटा, तू घर आ गया, यही बहुत है। मैं कल ही उधार लेकर तुझे बाइक दिला दूंगा।' उस दिन भूशरण ने अपनी मेहनत की कमाई और स्वाभिमान, दोनों को उस लोहे की मशीन के बदले बेच दिया। बाइक आने के बाद धीरेंद्र के पंख और निकल आए। अब वह रात-रात भर बाहर रहने लगा। उसकी आँखों के नीचे काले घेरे और चाल में लड़खड़ाते कदम बता रहे थे कि वह नशे के दलदल में धंस चुका है। एक रात जब वह घर आया, तो सीधे भूशरण के सामने जाकर खड़ा हो गया। मुँह से शराब की बदबू आ रही थी। भूशरण उसे देखकर कांप उठा, पर कुछ बोल न सका। वह बस दीवार की ओर मुँह करके सो जाने का नाटक करने लगा। उसे अपने ही घर में अपने ही बेटे से डर लगने लगा था। रमी ने एक दिन सुझाव दिया, 'सुनो, इसकी शादी कर देते हैं। सिर पर जिम्मेदारी आएगी तो शायद सुधर जाए।' भूशरण ने ठंडी सांस भरी, 'रमी, हम अपनी बला किसी और के गले डालने जा रहे हैं। उस बेचारी लड़की का क्या दोष जिसे हम इस नर्क में झोंकेंगे?' पर ममता और उम्मीद के आगे तर्क हार गए। एक गरीब परिवार की सुशील लड़की 'शैला' से धीरेंद्र का विवाह कर दिया गया। शुरुआत में लगा कि शायद चमत्कार हो गया है। धीरेंद्र घर पर रहने लगा। पर यह शांति तूफान से पहले की खामोशी थी। जल्द ही उसने शैला को पीटना शुरू कर दिया ताकि वह अपनी माँ के गहने या मायके से पैसे लाकर उसे दे। भूशरण अपनी बहू की चीखें सुनता, पर वह इतना 'डरा-सहमा' था कि बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था। साल गुजरते गए। रमी का देहांत हो गया। भूशरण अब बिस्तर पकड़ चुका था। घर में अब एक नया सदस्य था—पोता 'अधीर'। अधीर जब बड़ा हुआ, तो उसने घर में क्या देखा? एक शराबी पिता जो माँ को मारता है और एक लाचार दादा जो बस कोने में पड़ा रहता है।

अधीर ने वही सीखा जो उसने देखा। वह भी नशे की दुनिया में चला गया। एक शाम का दृश्य बड़ा भयानक था। धीरेंद्र नशे में धुत्त होकर घर आया। उसने रसोई में जाकर शैला को खाने के लिए गाली दी और हाथ उठाया।' आज तुझे मार ही डालूंगा, रोज का किच-किच खत्म!' धीरेंद्र ने जैसे ही हाथ हवा में लहराया, एक मजबूत हाथ ने उसकी कलाई को बीच में ही दबोच लिया। वह अधीर था। उसकी आँखों में वही खून सवार था जो कभी धीरेंद्र की आँखों में अपने पिता के प्रति होता था। अधीर ने धीरेंद्र की कलाई इतनी जोर से मरोड़ी कि वह घुटनों के बल बैठ गया।' खबरदार! अगर आज के बाद माँ पर हाथ उठाया तो यह हाथ सलामत नहीं रहेगा,' अधीर की आवाज में ऐसी दरिंदगी थी कि धीरेंद्र का नशा हिरन हो गया। वह कांपने लगा। उसने आज पहली बार वह डर महसूस किया जो उसका पिता भूशरण सालों से महसूस कर रहा था। बैठक के कोने में बैठा बूढ़ा भूशरण यह सब देख रहा था। उसकी धुंधली आँखों से आंसू बह निकले। उसने देखा कि समय ने खुद को दोहराया है। धीरेंद्र ने जो बोया था, आज वही फसल काट रहा था। भूशरण ने एक लंबी और ठंडी सांस ली और बुदबुदाया, 'परमात्मा! यह चक्र कब रुकेगा? काश मैंने शुरू में ही इसे सही रास्ता दिखाया होता, काश मैं इतना डरा हुआ बाप न होता।' बाहर अंधेरा गहरा रहा था और घर के अंदर 'जैसी करनी वैसी भरनी' का सत्य साक्षात खड़ा था।

पुस्तक समीक्षा

मन की अनवरत यात्रा का काव्य-संसार

समीक्षक

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

कविता वह विधा है जो मनुष्य के अंतर्मन की अनकही अनुभूतियों को शब्दों का स्पर्श देती है। जब कोई कवि जीवन के सामान्य अनुभवों में छिपे असाधारण भावों को सहज भाषा में अभिव्यक्त करता है, तब उसकी रचनाएँ सीधे पाठक के हृदय तक पहुँच जाती हैं। रविकांत राऊत एक ऐसे कवि हैं, जिनकी लेखनी जीवन के साधारण अनुभवों में भी असाधारण संवेदनाओं का स्पर्श खोज लेती है।

उनका कविता-संग्रह 'देह रुकी, मन बह चला' इसी संवेदनशील दृष्टि और सृजनात्मक परिपक्वता का सुंदर उदाहरण है। यह संग्रह केवल कविताओं का संकलन नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतर्मन की यात्रा का जीवंत दस्तावेज है। इस संग्रह में कुल 46 कविताएँ संकलित हैं। स्पर्श से पहले, ख्वाबों का मिलन, डर लगता है, पतझड़, स्त्री के मन की राहें, अनाम ख़त, सत्य के अँधेरे में खिलते गुलाब, समय का सच, आत्मज्ञान, बोधिवृक्ष, रौशनी और कुछ तो बात रही होगी जैसी रचनाएँ जीवन के विविध रंगों को बड़ी आत्मीयता से सामने लाती हैं। हर कविता अपने भीतर एक अलग भावलोक रचती है और पाठक को कुछ देर ठहरकर स्वयं से संवाद करने के लिए प्रेरित करती है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरल, सहज और प्रवाहपूर्ण भाषा है। कवि ने कहीं भी अनावश्यक शब्दाडंबर या कठिन प्रतीकों का सहारा नहीं लिया। यही कारण है कि साहित्य के नए पाठक भी इन कविताओं को बिना किसी कठिनाई के पढ़ और समझ सकते हैं। संग्रह की एक और उल्लेखनीय विशेषता यह है कि प्रत्येक कविता आकार में अपेक्षाकृत छोटी होते हुए भी अपने भीतर गहरे अर्थ समेटे हुए है। कवि कम शब्दों में अधिक कहने की कला जानते हैं। यही कारण है कि इन कविताओं को पढ़ते समय ऐसा लगता है मानो वे किसी और की नहीं, हमारे अपने जीवन की ही कहानी कह रही हों।

वास्तव में रविकांत राऊत का यह संग्रह संवेदनाओं, आत्मीयता और जीवन-दर्शन का सुंदर संगम है। इसकी सरलता ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यह पुस्तक पाठक के मन में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ती है और यह विश्वास जगाती है कि देह चाहे थम जाए, पर मन की यात्रा कभी नहीं रुकती।

कवि कॉर्नर

कविता

प्रो. ज्योति राज

तीन तिगाड़ा...

नहीं होती कायरों की कोई आवाज
न ही होते हैं उड़ने को कोई परवाज

बस रेंगते हैं जमीन पर मुँह ऊपर को उठा
कुढ़ते हैं उड़ते हुए बादल को देख
दिल पर लगा बैठते हैं दूसरों की दिलदारी

नहीं होती झूठों की कोई जमीन
न ही होते हैं उनकी झूठ के कोई पाँव

बस शर्मसार करते हैं सच को बारम्बार
उढ़ाते हैं सत्य को मिथ्यावादिता के आवरण
परोस कर लाते हैं बकबका मीठा सा बना कर

नहीं होती जिह्वाखोरों की कोई लगाम
न ही होते हैं कोई नियम क़ानून क़ायदे

बस फिसल जाती है जीभ मक्खनी मलाई सी
चटखारे लेने की जद में भूल जाते हैं तहज़ीब सारी
मुँह खोल बैहूदगी से चबाते हैं लाफ़्ज़ों की तरकारी

नहीं होती हजम इन तीनों से वफ़ादारी की खुराक
न ही होते हैं ये तंदुरुस्त खाकर भरोसे की बूटी
ये तिगड़ी नहीं ला पाती कोई बड़ा जलजला

इनका प्रभाव सीमित समय के लिए ज़रूर होता है
यही क्षणिक पोषण इन्हें ज़िंदा बनाए रखता है

कविता

डॉ. कमलेश मलिक

दरवाज़े पर ईगो की दस्तक

व्यंग्य

आसिम अनमोल

शर्मा दरवाजे पर लड़के को कार्ड थमा कर चला गया। क्या मुझे नहीं दे सकता था? मैं खा तो नहीं जाता उसे। हां, थोड़ा बहुत अपनी ईगो का ख्याल रखते हुए उसे घूर कर अपना हाईप्रोफाइल दरवाजा जरूर बन्द कर लेता और इससे ज्यादा क्या करता?

मैं ईगो हूं। मुझसे भली भांति सब परिचित हैं ही। मैं जिधर से गुज़रता हूं। लोगों की दृष्टि झुककर सलाम करने के लिए व्याकुल हो जाती है। लोग रोटी कम खाते हैं। भय ज्यादा खाते हैं मुझसे। समाज के घिसे-पिटे नियम क़ायदों से मेरा कोई लेना-देना नहीं होता। यह सब आम जनमानस के लिए बने हैं। मुझे नैतिक शास्त्र से कोई मतलब नहीं।

मैं दबाव शास्त्र में विश्वास करता हूं। मेरी जिधर से राह गुज़र होती है। वो रास्ते कर्फ्यू में तब्दील हो जाते हैं। ईगो का अपना सोचना है कि हम जितने सरल मानसिकता के होंगे, समाज उतना ही मुझे निगलने का प्रयास करेगा। इसलिए हम कठोर बने रहने की अहम भूमिका निभाने में जी-जान से लगे रहते हैं। कोई हमें कोसे या मुझ पर लाख़ टिप्पणी करता रहे। मुझ पर कोई सामाजिक या आसामाजिक असर नहीं पड़ता। बल्कि मेरे ईगो में सकारात्मक इज़ाफ़ा होता है। ईगो का अपने परिचितों के यहां आना-जाना भी ईगो की अपनी मर्जी पर निर्भर करता है। एक रोज़ ईगो का अपने ख़ास परिचित के यहां जाना हुआ। ईगो दरवाज़े पर पहुंचकर बोला, दरवाज़ा खोलो मैं ईगो हूं। अरे, आप मेरे द्वार पर? विश्वास ही नहीं हो रहा। आइए आइए। परिचित ने आश्चर्य से दरवाजा खोलते हुए कहा। मूड तो नहीं हो रहा था, बस यूं ही चला आया। ईगो ने अपनी ईगो दिखाते हुए कहा। चलिए आप आ ही गये ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है। चाय बनवाता हूं आपके लिए, परिचित ने चाय ऑफर की। जैसे महंगाई आसमान छू रही है,वैसे ही ईगो का रेट बढ़ाते हुए कहा। नहीं, मैं चाय-वाय नहीं लेता। शुगर का ख्याल रखता हूं। बादाम-पिश्ते की दुद्धी पीकर आ रहा हूं। फल वगैरा भी जस्ट अभी खाए हैं। तुम्हारी चाय डियू रही, भविष्य में जरूर पीएंगे। कुर्सी पर बैठे हुए ईगो ने टांग पर टांग रखते हुए और सिगरेट को लाइटर से जलाते हुए अपनी ईगो में और चार चांद लगाये। आप शर्मा जी की बेटी की शादी के रिसेप्शन पर तो जाएंगे न ? पड़ोसी होने के नाते मैंने यूं ही पूछ लिया। पहली बात मेरे पास टाइम का झंझट बहुत है। दूसरी बात, शर्मा दरवाजे पर लड़के को कार्ड थमा कर चला गया। क्या मुझे नहीं दे सकता था? मैं खा तो नहीं जाता उसे। हां, थोड़ा बहुत अपनी ईगो का ख्याल रखते हुए उसे घूर कर अपना हाईप्रोफाइल दरवाजा जरूर बन्द कर लेता और इससे ज्यादा क्या करता। ईगो ने अपने सम्मान के विपरीत न जाने की अपनी जन्मजात बीमारी का खुलासा किया। परिचित ने पूछा, यह बताइए कि आप इतना कम क्यों बोलते हैं? समाज अक्सर यदा-कदा आपके बारे में टिप्पणी करता रहता है। मैंने सहानुभूति जताते हुए ईगो से जुड़ने की कोशिश की। समाज को क्या पता मेरी मार्केट वैल्यू क्या है? किसी की तो है नहीं इसलिए किसी को अपनी परवाह क्यों हो भला। मुझे अपनी ईगो की टीआरपी बढ़ानी होती है। इसलिए इसमें खामोशी अख्तियार करना, गलतियां और सम्बन्ध बिगाड़ने जैसे बड़े-बड़े योगदान देने पड़ते हैं। इन सबमें कितनी मेहनत और कौशल छिपा होता है, ये गैर ईगो समाज क्या जाने। ईगो ने अपनी उच्च कोटि की गुणवत्ता का बखान करते हुए बड़े ही खूबसूरती से प्रकाश डाला। लेकिन सुनने में ये भी आता है कि आप भावनात्मक पहलू पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते? परिचित ने फिर कुरेदा। मेरी ईगो इतनी लचीली और कमजोर नहीं है, जो भावनाओं का शिकार होती फिरे। ईगो तो ईगो होती है। बिल्कुल सरकार की मानिद जैसा मन होता है वैसा करती है। उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता। यहां तक कि कई बार ऐसा होता आया है कि पति-पत्नी के टूटते रिश्तों में भी ईगो ने अपनी महति भूमिका निभाई है।

कुछ हटकर

यूएक्स डिजाइन : युवाओं में शानदार करियर विकल्प

सेंट्रल डेस्क

करियर

डिजिटल युग में लगभग हर काम मोबाइल एप और वेबसाइट के माध्यम से होने लगा है। चाहे ऑनलाइन खरीदारी हो, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं या सरकारी योजनाएं, हर जगह उपयोगकर्ताओं को आसान और बेहतर अनुभव देने पर जोर दिया जा रहा है। यही कारण है कि यूएक्स (यूजर एक्सपीरियंस) डिजाइन आज सबसे तेजी से उभरते करियर विकल्पों में शामिल हो गया है। इस क्षेत्र में ऐसे पेशेवरों की मांग बढ़ रही है, जो डिजिटल उत्पादों को उपयोगकर्ता के लिए सरल, सुविधाजनक और प्रभावी बना सकें। यूएक्स का पूरा नाम यूजर एक्सपीरियंस है।

इसका अर्थ है किसी वेबसाइट, मोबाइल एप या डिजिटल उत्पाद का उपयोग करते समय उपयोगकर्ता को कैसा अनुभव होता है। यूएक्स डिजाइनर का काम यह सुनिश्चित करना होता है कि उपयोगकर्ता बिना किसी परेशानी के अपना काम आसानी से पूरा कर सके।

विशेषज्ञताएं

यूएक्स डिजाइनर केवल स्क्रीन को आकर्षक बनाने का काम नहीं करता, बल्कि वह उपयोगकर्ताओं की जरूरतों और व्यवहार को समझकर पूरे उत्पाद को बेहतर बनाता है। उसके प्रमुख कार्य हैं।- उपयोगकर्ताओं की जरूरतों का अध्ययन करना।

- वेबसाइट या एप का प्रारंभिक खाका (वायरफ्रेम) तैयार करना।
- प्रोटोटाइप बनाकर उसकी जांच करना।
- उपयोगकर्ताओं से फीडबैक लेकर सुधार करना।
- डेवलपर्स और यूआई डिजाइनरों के साथ मिलकर अंतिम उत्पाद तैयार करना।

आवश्यक कौशल

- रचनात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता
- उपयोगकर्ता व्यवहार को समझने की योग्यता-संचार कौशल
- डिजाइन थिंकिंग-फिग्मा, एडोबी एक्सडी जैसे डिजाइन टूल्स की जानकारी
- टीम में काम करने की क्षमता

प्रमुख सरकारी संस्थान

- प्रमुख सरकारी संस्थान-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) – अहमदाबाद, गांधीनगर, बेंगलुरु, भोपाल, आंध्र प्रदेश, हरियाणा समेत विभिन्न परिसरों में डिजाइन से जुड़े पाठ्यक्रम।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे
- इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर (आईडीसी) में यूजर एक्सपीरियंस और इंटरैक्शन डिजाइन से संबंधित कार्यक्रम।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) गुवाहाटी– डिजाइन विभाग में यूजर-केंद्रित डिजाइन शिक्षा।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी)– डिजिटल और इंटरैक्शन डिजाइन से जुड़े पाठ्यक्रम।

कितना मिलता है वेतन

- फ्रेशर: लगभग 4 से 8 लाख रुपये प्रतिवर्ष-2 से 5 वर्ष का अनुभव : 8 से 18 लाख रुपये प्रतिवर्ष-अनुभवी यूएक्स डिजाइनर:
- 20 लाख रुपये या उससे अधिक वार्षिक पैकेज प्राप्त कर सकते हैं।
- भविष्य उज्ज्वल : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन कारोबार के विस्तार के साथ यूएक्स डिजाइनरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र युवाओं के लिए सबसे अधिक अवसर देने वाले करियर विकल्पों में शामिल रहेगा।

पावस की सौगात

बीते दिनों के उदासीन बादल
गहरी उमस से उलझने लगे हैं

शोर मचा है बाहर भीतर
जब से पावस ऋतु है आई
प्रतीक्षारत थीं कब से आंखें
प्यासी धरा ने ली अंगड़ाई

जतन से ढके थे अंगार हमने
पवन की छुवन से सुलगने लगे हैं

माटी ने सोंधी खुशबू बिखेरी
भंवरों ने छेड़ा राग सुहाना
फूलों से मिलकर मकरंद लेने
तितली ने ढूंढा सुंदर बहाना

विधना की रचना कितनी निराली
हम भी कुछ कुछ समझने लगे हैं

वर्षा की बूंदे बरसें छमाछम
चातक रटे है पीहू- पीहू
नाचे मयूरा मदमस्त होकर
कोयल भी गाये कुहू- कुहू

बारिश ने पुलकित किया सृष्टितन
उपवन के अवयव संवरने लगे हैं

चंपा-चमेली, गुड़हल की लाली
बोलो तुम्हें क्या सौगात दे दें
आंसू के जल से गीला आंचल
बस अंजलि भर बरसात दे दें

अंतरघट में सहेजे हुए जो
उद्गार भी अब छलकने लगे हैं

मोटिवेशनल

भीतर की जीत से शुरू होता है नई राहों का सफर

आज का युवा जीवन अपने जीवन का सबसे परिवर्तनशील दौर जी रहा है। एक ओर अनगिनत अवसर सामने हैं, तो दूसरी ओर प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता का दबाव। हर दूसरे कदम पर तुलना, सोशल-मीडिया की चमक, और "तुरंत सफलता" का प्रलोभन युवाओं को भीतर से थका देता है। ऐसे समय में यह समझना जरूरी है कि नई राहों का सफर बाहर की दुनिया से नहीं, बल्कि भीतर की मानसिक शक्तियों से शुरू होता है। सफलता का असली रथ 'प्रतिभा' नहीं, बल्कि दृढ़ता, निरंतरता एवं धैर्य है। हमारी पीढ़ी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि अवसर कम हैं, बल्कि यह है कि मन बिखरा हुआ है। कई बार युवा अपने हुनर या सपने से पहले ही हार मान लेते हैं, सिर्फ़ इसलिए कि उन्हें लगता है कि राह कठिन है। जबकि सच यह है कि हर कठिन राह के पीछे किसी बड़ी जीत की संभावना छिपी होती है। दुनिया का हर सफल इंसान पहले असफल व्यक्ति रहा है जो डटा रहा, टिका रहा और सीखता रहा। आज तकनीक ने नई दिशाएँ खोली हैं। कौशल सीखना पहले जैसा मुश्किल नहीं रहा। आज एक मोबाइल फोन से हजारों कोर्स, मार्गदर्शन और प्रेरणादायक सामग्री उपलब्ध है, लेकिन सब कुछ उपलब्ध होने के बावजूद बहुत से युवा आगे क्यों नहीं बढ़ पाते? क्योंकि व्यक्ति तभी बढ़ता है, जब उसके अंदर 'स्व-अनुशासन' पैदा होता है। परिस्थितियाँ नहीं, मानसिकता रास्ता तय करती है। जो व्यक्ति खुद को बदलने का साहस जुटा लेता है, दुनिया की कोई ताकत उसे रोक नहीं सकती। हर कौशल, हर करियर और हर मंजिल की शुरुआत एक छोटे से कदम से होती है और वह कदम है आत्मप्रेरणा। कोई भी बाहरी शक्ति उतना बड़ा फर्क नहीं ला सकती, जितना फर्क आपका अपना मन, अपनी सोच और अपनी निरंतरता ला सकती है। यही कारण है कि आज के समय में सबसे बड़ा निवेश "डिग्री" नहीं बल्कि सीखने की आदत, काम के प्रति अनुशासन और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। जो युवा इन तीन चीजों को साध लेता है, वह किसी भी नौकरी, किसी भी उद्योग, किसी भी परीक्षा में अपना स्थान बना सकता है। युवाओं को बस यह याद रखना चाहिए कि सपने तभी पूरे होते हैं, जब हम उनके लिए भीतर से तैयार हों। जीत वहीं लिखी जाती है, जहां मन हिम्मत नहीं छोड़ता। नई राहों के अवसर पहले से अधिक हैं, बस कदम बढ़ाने की जरूरत है।

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

लघु कथा

किरकिरी

विश्वविद्यालय में जल दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी से लौटते हुए राहुल के शब्दों में बेचैनी थी।

'बचपन से सुन रहे हैं— गरीबी हटाओ, जल बचाओ, विकास लाओ। हर साल बाढ़ आती है, हर गर्मी में पानी का संकट खड़ा हो जाता है। बदलता क्या है? बस सरकारी रिपोर्टों के आँकड़े।'

रमेश ने कहा, 'समस्या केवल बारिश की नहीं, व्यवस्था की है।'

बात वहीं खत्म नहीं हुई।

अगले सप्ताह सोलह जागरूक छात्रों ने एक समूह बनाया। शहर के सोलह मोहल्ले चुने। उन्होंने तय किया कि शिकायत नहीं, शुरुआत करेंगे। घर-घर गए, लोगों को समझाया कि शहर को लंदन बनाने से पहले शहर को अपने ही देश की प्राचीन सभ्यता मोहनजोदड़ो के ड्रेनेज सिस्टम जैसी बेहतरीन व्यवस्था अपनाने की जरूरत है। साथ ही पिन्नियों,प्लास्टिक को टाटा बाय करने की जरूरत है; जिससे जल का प्राकृतिक बहाव बना रहे।

नील मणि

कहानीकार

जल निकासी व्यवस्था और जल संरक्षण व्यवस्था सुचारू करने के लिए घर व छतों का जल पाइपों से पार्कों और रिचार्ज गड्ढों तक पहुँचाया जाए। छात्रों ने घर-घर जाकर चंदा इकट्ठा किया; निवासियों को विश्वास में लिया और साथ में निवासियों का अनुभव भी जोड़ा। छात्रों ने वर्षा जल संचयन विशेषज्ञ को भी साथ लिया।

कुछ महीनों बाद मानसून आया।

इस बार वही मोहल्ले पानी में नहीं डूबे। हैंड-पंपों का जल-स्तर ऊपर आया। पार्क हरे थे, गलियाँ सूखी थीं।

स्थानीय अख़बार ने शीर्षक छापा—

'जहाँ सरकार नहीं पहुँची, वहाँ छात्रों ने व्यवस्था को पहुँचा दिया।'

शैतानी वर्ग के बड़े ठेकेदारों और व्यापारियों के कान खड़े हो गए और वह छात्र समूह शैतान वर्ग की आँखों की किरकिरी बन गया।

खबर संक्षेप

पंचायत पर वेतन न देने का लगाया आरोप

बहादुरगढ़। बीएमएस के ब्लॉक अध्यक्ष बिजेंद्र दहकोरा ने ग्राम पंचायत दहकोरा व अधिकारियों पर वेतन न देने सहित अन्य गंभीर आरोप लगाए हैं। बिजेंद्र के मुताबिक, वह गांव दहकोरा में सफाई कर्मी है। पंचायत की ओर से 16 महीने से वेतन नहीं दिया जा रहा। इस कारण परिवार का गुजारा करने, बच्चों का पोषण करने में बहुत परेशानी आ रही है। पंचायत व बीडीपीओ कार्यालय में कई बार आग्रह किया जा चुका है लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हो रही। वहीं, भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष देव कुमार ने कहा कि बिजेंद्र दहकोरा को उसका वेतन मिलना चाहिए। यदि पंचायत ने कर्मचारी को उसका हक नहीं दिया तो आंदोलन किया जाएगा।

जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आज

झज्जर। सोमवार को आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे, जहां नागरिकों की शिकायतें सुनकर उनका मौके पर ही निपटान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी वर्षा खांगवाल और उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे।

रेलवे रोड पर वितरित किए 1050 पौधे

बहादुरगढ़। पर्यावरण संरक्षण को लेकर चलाई गई मुहिम के तहत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रेलवे रोड स्थित गुप्ता क्लीनिक पर रविवार को लोगों को अलग-अलग किस्म के 1050 पौधे निःशुल्क वितरित किए गए। आईएमए के पूर्व प्रधान डॉ. पवन गुप्ता, डॉ. नीरज गुप्ता, डॉ. मयंक गुप्ता, डॉ. उज्जवल गुप्ता, सुनील कुलताना, उमंग, ध्रुव व तन्मय आदि पर्यावरण प्रेमियों ने पौधे वितरित किए। साथ ही पौधों की देखभाल करते रहने का आह्वान भी किया। उन्होंने आमजन से पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। हमें पर्यावरण को बचाने में अपनी अहम भूमिका भी निभानी चाहिए।

कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप व दस्तावेज चोरी

सांपला। नेशनल हाईवे-9 स्थित एक ढाबे पर खड़ी कार का शीशा तोड़कर अज्ञात चोर लैपटॉप और जरूरी दस्तावेज चोरी कर ले गए। पुलिस ने कार मालिक कपिल की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कपिल ने बताया कि वह एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। वह अपने साथी के साथ कार से हिसार से घर लौट रहे थे। रास्ते में सांपला बाइपास से बहादुरगढ़ की ओर हाईवे-9 पर स्थित एक ढाबे पर खाना खाने के लिए रुके। कुछ देर बाद लौटे तो कार का शीशा टूटा और लैपटॉप और जरूरी दस्तावेज गायब थे।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात की मौत

रोहतक। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर शनिवार को एक अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। रेलवे पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 55 से 60 वर्ष के बीच प्रतीत होती है। उसका रंग सांवला, चेहरा लंबोतरा, शरीर पतला तथा कद करीब पांच फीट है। मृतक ने भगवा रंग की धोती पहन रखी थी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन उसकी पहचान से संबंधित कोई जानकारी नहीं मिल सकी। रेलवे पुलिस ने शव को पहचान के लिए सुरक्षित रखवाया है और आसपास के थाना क्षेत्रों सहित अन्य माध्यमों से मृतक की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति दिए गए हुलिये के आधार पर मृतक की पहचान कर सके तो तत्काल रेलवे पुलिस से संपर्क करें।

संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति का मनाया गया स्थापना दिवस

पौधरोपण के साथ मेधावी छात्रों व खिलाड़ियों का किया सम्मान

बहादुरगढ़। समारोह में समिति पदाधिकारियों व अतिथियों के साथ सम्मानित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

वक्ता बोले, पुरस्कार का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा व जीवन में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति ने अपना स्थापना दिवस सामाजिक सरोकार और देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रमों के साथ मनाया। इस दौरान मेधावी छात्रों, खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

सरकारी स्कूल की कक्षा पहली से बारहवीं तक प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को भारत भाग्य विधाता पुरस्कार दिया गया। उन्हें मेडल और प्रशस्ति पत्र दिए गए। गांव के खिलाड़ियों को भी उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। गांव की सेवानिवृत्त शिक्षिकाओं ने 10वीं और 12वीं के टॉपर विद्यार्थियों तथा खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। समिति सदस्य ललित रंगा और मनीष चाहार ने कहा कि इस पुरस्कार का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा व जीवन में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। समिति प्रधान संजय कलसन और कर्मबीर राठी ने बताया कि स्थापना दिवस पर कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में शहीद कैप्टन कुलदीप सिंह स्मारक पर तिरंगा फहराकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद गांव के तालाब परिसर में पौधारोपण किया गया। नरेंद्र धनखड़ और मेजर सुधीर राठी ने समिति द्वारा बुक बैंक, सांझी प्रतियोगिता, सरकारी स्कूलों में सहयोग, पानी की बात अभियान, स्वच्छता अभियान सहित कराए जा रहे अन्य कार्यक्रमों की जानकारी दी। सोमेश राठी, अनिल राठी, परमजीत और अमित राठी ने समिति के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में रेंज ऑफिसर श्रीभगवान, इंद्रमुनी कौशिक, कर्नल अनिल जून, जयपाल सांगवान, राजकुमार आदि भी मौजूद रहे।

सूर्या यूथ क्लब ने रोपे आसौदा में 15 पौधे

बहादुरगढ़। विजय दिवस के उपलक्ष्य में सूर्या यूथ क्लब के युवाओं द्वारा आसौदा टोडराण में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 15 पौधों का सामूहिक रोपण कर कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान महेंद्र व कवल कुमार ने कहा कि कारगिल युद्ध में देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों का सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण जैसे सकारात्मक कार्यों से भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। यह पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ वायु, जल संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इस दौरान सुमित, शाहिल, निशांत व शुभम आदि ने 5 अमरूद, 5 शीशम व 5 पापड़ी के पौधे लगाए। सभी युवाओं से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का भी आह्वान किया गया।

बहादुरगढ़। आसौदा में पौधे लगाते यूथ क्लब के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

छात्रों के समक्ष झुकी अहंकारी सरकार: जून

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

राजेंद्र जून

पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देशभर के छात्रों के लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को आखिरकार युवाओं की आवाज के आगे अहंकारी सरकार को झुकना पड़ा। लोकतांत्रिक तरीके से उठाई गई जनभावनाओं को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पारदर्शिता को लेकर देशभर के लाखों छात्र लंबे समय से न्याय की मांग कर रहे थे। कांग्रेस ने शुरू से ही छात्रों की मांगों का समर्थन किया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने संसद से लेकर सड़कों तक छात्रों की आवाज बुलंद की और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

जसबीर कॉलोनी में पीजी होटल से दो चोर उठा ले गए 10 मोबाइल फोन

रोहतक। शीला बाइपास के पास जसबीर कॉलोनी स्थित एक पीजी होटल से दो आरोपियों ने 10 मोबाइल फोन पर चोरी कर लिए। पूरा मामला वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गया। सूचना पाकर होटल मालिक मौके पर पहुंचा और अर्बन एस्टेट थाने में शिकायत दी। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। होटल मालिक प्रवेश सांगवान ने बताया कि, सुबह करीब 5 बजे दो चोर जसबीर कॉलोनी स्थित पीजी में घुसे। पीजी के नीचे खड़ी बाइकों के पास पहले बात करते रहे, उसके बाद पीजी में अंदर गए, जहां कमरों में सो रहे बच्चों के मोबाइल फोन चोरी किए और पीजी से बाहर निकल गए। प्रवेश सांगवान ने बताया कि पीजी में चोरी करने के बाद आरोपी उसके होटल में घुसे। होटल का रिसेप्शनिस्ट कमरे में सो रहा था, जिसके कमरे में घुसकर आरोपी ने मोबाइल फोन चोरी किया और होटल से निकल गया। प्रवेश सांगवान ने बताया कि आरोपियों ने पीजी से स्टूडेंटों के 8 मोबाइल फोन चोरी किए, जबकि होटल से दो फोन चोरी किए हैं। दोनों आरोपी सीसीटीवी कैमरे में आते-जाते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

ग्रामीणों को किया नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक

- पुलिस टीम ने गांव के लोगों को साइबर अपराध से बचाव की भी जानकारी उपलब्ध कराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरी

रविवार को क्षेत्र के गांव चिमनी में पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। निरीक्षक सतीश कुमार ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय सहयोग करने की अपील की । उन्होंने लोगों को आपातकालीन सहायता के लिए डायल-112 सेवा के प्रभावी उपयोग तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की भी जानकारी दी। साथ ही ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल और संदिग्ध लिंक से सतर्क रहने की सलाह देते हुए किसी भी साइबर अपराध की सूचना तुरंत पुलिस को देने की बात कही।

बेरी। ग्रामीणों को जागरूक करती पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

रोहतक में गढ़ी बोहर के युवक मोंटी की कथूरा में समझौते के लिए बुलाकर हत्या

- हरिद्वार में होटल चलाता था, पिता सीआरपीएफ से रिटायर, हमले में दो दोस्त भी घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा के सोनीपत में झगड़े का समझौता कराने के बहाने बुलाकर एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात में उसके दो साथी भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना बरोदा थाना क्षेत्र के गांव कथूरा की है। पुलिस ने घायल की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। मृतक की पहचान रोहतक के गढ़ी बोहर निवासी मोंटी (20) के तौर पर हुई। मोंटी हरिद्वार में होटल चलाता था। उसके पिता देवेंद्र सीआरपीएफ से रिटायर्ड हैं। मोंटी के एक भाई व दो बहनें भी हैं। परिवर का कहना है कि वह कथूरा गांव में अपने मामा के घर गया था।

फ्रेंड्स कॉलोनी सेक्टर-28 निवासी अंकुश ने बताया कि वह रोहतक से डी-फार्मेसी का कोर्स कर रहा है। 25 जुलाई की रात करीब 10:30 बजे वह अपने दोस्त मोंटी, शुभम, प्रीतम और मोहित के साथ गांव कथूरा में सुंडे की बैठक में बैठा था। इसी दौरान उसने मोंटी को बताया कि 7 दिन पहले मोखरा निवासी पंकज उर्फ भोलू ने उसे देख लेने की धमकी दी थी। इसके बाद दोनों के बीच रंजिश चल रही थी। शिकायत के अनुसार, इसी रंजिश को खत्म करने के लिए वह, उसका दोस्त मोंटी और शुभम दादा फुल सिंह एकेडमी, कथुरा के बाहर राजीनामा करने पहुंचे। कुछ देर बाद प्रीतम और मोहित भी वहां आ गए। आरोप है कि वहां पहुंचते ही पंकज उर्फ भोलू ने पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी और थप्पड़-मुक्कों से मारपीट करने लगा। इसी दौरान उसका साथी, पलवल निवासी शिवम उर्फ जस्सा भी मौके पर पहुंच गया। इसके बाद दोनों ने मिलकर अंकुश, मोंटी और प्रीतम के साथ मारपीट की।

मोंटी की जांघ, अंकुश के सिर-गर्दन और प्रीतम की बाजू पर वार

शिकायतकर्ता का आरोप है कि पंकज उर्फ भोलू ने अपनी जेब से चाकू निकालकर अचानक मोंटी की जांघ में वार किया। इसके बाद उसने अंकुश की गर्दन, सिर और बाजुओं पर बारी-बारी से चाकू से हमला किया। प्रीतम की बाजू पर भी चाकू मारा गया। यह हमला जान से मारने की नीयत से किया गया, जिसमें अंकुश और प्रीतम गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि मोंटी की चाकू लगने से मौत हो गई। शिकायत में कहा गया है कि घटना के दौरान गांव कथुरा निवासी प्रवीण भी मौके पर पहुंच गया था। इसके बाद पंकज उर्फ भोलू और शिवम उर्फ जस्सा उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए हथियार सहित मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर थाना बरोदा पुलिस सीएचसी चिड़ी पहुंची, जहां मोंटी को मृत घोषित किया गया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पहले सामान्य अस्पताल गोहाना और फिर खानपुर पीजीआई रेफर किया गया। वहीं, घायल अंकुश और प्रीतम का रोहतक पीजीआईएमएस में उपचार करवाया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

त्रुटिरहित मतदाता सूची ही लोकतंत्र का मुख्य आधार : डीसी वर्षा खांगवाल

- 31 को जिले के चारों बेरी, बहादुरगढ़, झज्जर और बादली विधानसभा क्षेत्रों की प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

वर्षा खांगवाल

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया में त्रुटिरहित मतदाता सूची का अहम योगदान है। एक जुलाई 2026 को अहर्ता तिथि मानते हुए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर-2026 प्रक्रिया संचालित की जा रही है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 जुलाई को जिले के सभी चारों बेरी,बहादुरगढ़, झज्जर और बादली विधानसभा क्षेत्रों की प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद 1 अगस्त से 30 अगस्त तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम हटाने, संशोधन कराने अथवा अन्य त्रुटियों के संबंध में दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि प्राप्त सभी दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 28 सितंबर तक किया जाएगा तथा 3 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

प्लॉट विवाद में घर में घुसकर पीटने का आरोप

सांपला। कस्बे में प्लॉट विवाद को लेकर रविवार को दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। पीड़ित जितेंद्र ने पुलिस को मामले की शिकायत दी है। उन्होंने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि आधा दर्जन लोगों ने उनके घर में जबरन घुसकर उनके और अन्य लोगों के ऊपर जानलेवा हमला किया है। घटना में घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने जितेंद्र की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बाइक रिपेयर शॉप व डे बैक शोरूम के बाहर जेनरेटर में लगी आग

रोहतक। बोहर में बाइक रिपेयर शॉप में लगी आग से नष्ट सामान व दिल्ली बाइपास पर जेनरेटर में लगी आग। फोटो : हरिभूमि

- सूचना मिलते ही दमकल केंद्र से फायर ब्रिगेड की गाड़ी तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव बोहर में रविवार की सुबह एक बाइक रिपेयर शॉप में अचानक आग लग गई। आसपास के क्षेत्र में धुआं फैल गया। सूचना मिलते ही दमकल केंद्र से फायर ब्रिगेड की गाड़ी तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

शॉप संचालक अजीत ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है। हादसा करीब सुबह साढ़े नौ बजे हुआ। इस हादसे में दुकान में रखा उपकरण, स्पेयर पार्ट्स तथा अन्य सामान जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

दूसरी ओर दिल्ली बाइपास पर डे बैक शोरूम के बाहर रखे जेनरेटर में आग लग गई। सूचना मिलने पर दमकल केंद्र कर्मचारी मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों ने भी राहत की सांस ली।

राष्ट्रीय स्तर की टेबल टेनिस खिलाड़ी है रोहतक की बेटी

निशानेबाजी व कूटनीति दोनों में चमकी निआ शर्मा

जसपाल राणा मेमोरियल कप में जीते तीन पदक आईआईएमयूएन सम्मेलन में बनीं 'बेस्ट डेलीगेट'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेक्टर-1 निवासी प्रतिभाशाली खिलाड़ी निआ शर्मा ने खेल और बौद्धिक प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर रोहतक का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। देहरादून में आयोजित जसपाल राणा मेमोरियल कप-2026 में निआ ने 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल स्पर्धा में कुल 274/300 अंक हासिल करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

उन्होंने महिला व्यक्तिगत वर्ग में रजत पदक (द्वितीय स्थान), जूनियर महिला वर्ग में तृतीय स्थान तथा यूथ महिला वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त कर तीन पदक अपने नाम किए। निआ ने खेल के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता का भी शानदार परिचय दिया। 24 से 26 जुलाई 2026 तक रोहतक के स्कॉलर्स रोसरी इम्पीरियल कैंपस में आयोजित आईआईएमयूएन (इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस) के मॉडल यूनाइटेड नेशंस सम्मेलन में उन्होंने यूनाइटेड नेशंस डिसआर्मामेंट एंड इंटरनेशनल सिक्योरिटी कमेटी (डीआईएसईसी) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 'बेस्ट डेलीगेट' का प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया। यह सम्मेलन देश-विदेश के विद्यार्थियों को वैश्विक मुद्दों पर अपनी नेतृत्व क्षमता और कूटनीतिक कौशल प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। निआ शर्मा केवल निशानेबाजी तक ही सीमित नहीं हैं। वह राष्ट्रीय स्तर की टेबल टेनिस खिलाड़ी भी हैं और विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। खेल, नेतृत्व और शिक्षा—तीनों क्षेत्रों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए निआ युवा खिलाड़ियों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, शिक्षकों, खेल प्रशिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

विपरीत परिस्थितियों में राष्ट्र सर्वोपरि का संदेश दे गया कारगिल युद्ध : डीसी

झज्जर जिले से 11 वीर सपूतों ने कारगिल युद्ध में दी थी शहादत

26 जुलाई का दिन भारतीय इतिहास का वह अध्याय है जो साहस, त्याग व राष्ट्रभक्ति की मिसाल बना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

26 जुलाई का दिन भारतीय इतिहास का वह अध्याय है जो साहस, त्याग व राष्ट्रभक्ति की मिसाल है। विपरीत परिस्थितियों में भी भारतीय सेना ने 1999 में कारगिल युद्ध में जो अदम्य साहस का परिचय दिया वह राष्ट्र सर्वोपरि का साक्षात उदाहरण है। यह बात रविवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित बाल भवन परिसर में कारगिल ऑपरेशन विजय स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को नमन करने के उपरांत डीसी वर्षा खांगवाल कही। उन्होंने जिला प्रशासन व इंडियन वेटर्नस ऑर्गेनाइजेशन हरियाणा के सहयोग से आयोजित सम्मान समारोह में कारगिल युद्ध के शहीद वीरांगनाओं व पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि हमारे रणबांकुरों की वीर गाथाएं आज भी हर भारतीय को यह याद दिलाती है कि आजादी व सुरक्षा का मूल्य केवल शब्दों से नहीं बल्कि वीर सपूतों के बलिदानों से चुकाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज हमारी जिम्मेदारी केवल उनके बलिदान को याद रखने में ही सीमित नहीं है बल्कि हमें वीर योद्धाओं के दिखाए मार्ग पर आगे बढ़कर स्वर्णिम एवं विकसित भारत बनाने में अपना अतुलनीय योगदान देना होगा। बता दें कि झज्जर जिले से 11 वीर सपूतों ने कारगिल युद्ध में शहादत दी थी। इस अवसर पर इंडियन वेटर्नस ऑर्गेनाइजेशन के जिलाध्यक्ष वेटनर सुरेंद्र सिंह यादव, कैप्टन राजकिशन हरित, कारगिल योद्धा कैप्टन सत्यवीर सिंह, सैनिक संघ हांसी जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह, फतेहाबाद जिला अध्यक्ष डॉक्टर गोपी, हिसार जिलाध्यक्ष नरेंद्र कुमार सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। कारगिल ऑपरेशन विजय स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर वीर शहीदों को नमन करते हुए डीसी वर्षा खांगवाल।

झज्जर। पूर्व सैनिकों को सम्मानित करते हुए डीसी वर्षा खांगवाल।

कारगिल युद्ध के योद्धाओं का सम्मान

■ पूर्व सैनिकों व उनके परिवारों समेत अन्य लोगों का स्वास्थ्य नि:शुल्क जांचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। आर्य नगर में हुए विजय दिवस समारोह में मौजूद पूर्व सैनिक।

पूर्व सैनिकों ने रविवार को कारगिल विजय दिवस उत्साह के साथ मनाया। शहर के आर्य नगर में हुए, समारोह के दौरान कारगिल युद्ध में जांबाजी के साथ दुश्मन सैनिकों को धूल चटाने वाले उन बहादुर सैनिकों को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन भी किया गया।

त्रिवेणी पूर्व सैनिक संगठन बहादुरगढ़ द्वारा आयोजित कारगिल विजय दिवस समारोह में वयोवृद्ध बहादुर सैनिक सूबेदार जयभगवान ने कारगिल योद्धाओं को सम्मानित किया। सम्मान पाने वाले कारगिल योद्धाओं में गांव मांडोठी के निवासी सूबेदार उमेश सिंह दलाल, हवलदार राजपाल दलाल व सूबेदार महेंद्र सिंह दलाल के अलावा कारगिल योद्धा सूबेदार राजपाल आदि शामिल रहे। शिविर में ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल के चिकित्सकों ने पूर्व सैनिकों, उनके परिजनों समेत करीब 300 लोगों के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच की। कार्यक्रम में सूबेदार रामकंवार सैनी, महेंद्र छिकारा, सूबेदार मांगेराम, पवन कोच, श्री भगवान, सुरेश, कप्तान सिंह, राजेंद्र, सूरजमल, सतवीर और भूपेंद्र रोहिल्ला आदि शामिल हुए।

विद्यार्थियों ने दी कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि

झज्जर। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर प्रगति सैनिक स्कूल में भारत माता के अमर सपूतों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत एवं समूह नृत्य की प्रस्तुति के माध्यम से कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य, त्याग और बलिदान को याद किया। विद्यार्थियों ने पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ वीर जवानों को नमन करते हुए उनके बलिदान को कभी न भूलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने दो मिनट का मौन रखकर भारत माता के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बहादुरगढ़। द्वारका में कारगिल रन में भाग लेने वाले बीआरजी के धावक।

कारगिल रन में बीआरजी के 50 धावकों ने दिखाया दम

■ कई धावकों ने अपनी-अपनी श्रेणियों में जीतकर बहादुरगढ़ का गौरव बढ़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को द्वारका में आयोजित कारगिल रन में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के 50 धावकों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति के जज्बे के साथ दौड़ लगाई। कई धावकों ने अपनी-अपनी श्रेणियों में जीतकर बहादुरगढ़ का गौरव बढ़ाया।

बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप को विशेष स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। बीआरजी संस्थापक दीपक छिल्लर को युवाओं को एम्बेसडर ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रीति ने 21 किलोमीटर ओवरऑल महिला वर्ग में प्रथम स्थान, सूरज सिंह बिष्ट ने 10 किलोमीटर ओवरऑल पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान, कृष्णा राणा ने 65 प्लस आयु वर्ग (10 किमी) में प्रथम स्थान, ब्रह्म प्रकाश मान ने 21 किलोमीटर (55 प्लस) वर्ग में द्वितीय स्थान, ललिता पांडे ने 21 किलोमीटर (45 प्लस) वर्ग में प्रथम स्थान तथा इकलाश खान ने 21 किलोमीटर (45 प्लस) वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस, वीरता और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।

ये रहे मौजूद

बीआरजी के तेजेंद्र, सुधीर, डॉ. संतोष कुमार, कविता, सुनील सिकरी, सौरभ मलिक, नसीब चंद, शलभ खरे, दीपक, नितेश कुमार, महेंद्र अभिषेक शर्मा, वैभव तनेजा, नीलोत्पल मलिक, रंजन कुमार, मनमोहन त्यागी, पंकज वर्मा, यशु चुघ, गीता चावला, मोहित वर्मा, संजय दत्त भारती, रवि चंद्र बेदी, खुशी, शिव प्रताप सिंह, विपिन कुमार बेरी, हेमांशी, गौरव सिंह, मनोज बिष्ट, जीवन अटवाल, सूरजन बिष्ट, रितेश कुमार, हर्ष नेगी, मेहुल गर्ग, महेश चंद, ओमप्रकाश, नवीन डबास, हंसराज विजयरण, कमल पराशर, रवि वशिष्ठ, प्रमोद कुमार, नितिन राणा, योगिता, अरुण विजयरण, किरण छिल्लर, मनोज शौकीन और रमेश कुमार ने सफलतापूर्वक दौड़ पूरी की।

बहादुरगढ़। परिजनों के साथ पीएम का मन की बात कार्यक्रम सुनते डॉ पंकज

परिवार सहित सुना पीएम का मन की बात कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ पंकज जैन ने रविवार को अपने परिजनों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को उत्साह के साथ सुना। उन्होंने कहा कि पीएम का यह कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति प्रेरित करता है। पीएम मोदी ने देशवासियों से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, वोकल फॉर लोकल, युवाओं की भागीदारी, नवाचार तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री की प्रेरक कहानियों से युवाओं को नई दिशा और समाज सेवा के लिए प्रेरणा मिलती है। प्रत्येक नागरिक को पीएम के संदेशों को अपने जीवन में अपनाकर राष्ट्रहित में योगदान देना चाहिए।

झज्जर। होनहार मुक्केबाज प्राची चाहर व कोच हितेश देशवाल के साथ उपस्थित शहरवासी। फोटो : हरिभूमि

बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक विजेता प्राची चाहर का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

इंडोनेशिया के जकार्ता में 3 से 16 जुलाई तक में आयोजित एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता जिले के गांव सिलानी की बेटी प्राची चाहर का झज्जर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। बॉक्सिंग कोच हितेश देशवाल ने बताया कि प्राची चाहर कोच अजय साईं और धीरज रंगी के सानिध्य में गर्ल्स स्पोर्ट्स कंपनी के अंतर्गत अभ्यास कर रही है। उसकी मेहनत, समर्पण और कोच की उत्कृष्ट प्रशिक्षण पद्धति ने उसे एशियन चैंपियन बनने तक पहुंचाया है। खेल प्रेमियों व शहर के प्रबुद्धजनों ने होनहार मुक्केबाज प्राची चाहर को बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वह विश्व चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाएगी।

बरसात के मौसम में होने वाले मलेरिया से बचने के सुझाव दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बरसात के मौसम में मच्छरों के कारण मलेरिया का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और बचाव के उपाय अपनाने की आवश्यकता है। पीएचसी नूना माजरा के इंचार्ज डॉ. संजीव कुक्कल ने लोगों को मलेरिया से बचने के लिए आवश्यक परामर्श दिया। डॉ. कुक्कल ने कहा कि घर और आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दें। जमा हुआ पानी मच्छरों के पनपने का सबसे बड़ा कारण होता है। कूलर, पानी की टंकियों, गमलों और गड्ढों में जमा पानी को नियमित रूप से खाली करें या ढककर रखें। शाम और रात के समय पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें तथा आवश्यकता होने पर मच्छर भगाने वाली क्रीम का इस्तेमाल करें। मच्छरदानी का उपयोग करें। यदि तेज बुखार, ठंड लगना, कंपकंपी या शरीर में दर्द आदि लक्षण नजर आए, तो खून की जांच कराएं। मलेरिया की पुष्टि होने पर डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाइयां लें। इस बीमारी की रोकथाम में आमजन की भागीदारी भी बेहद जरूरी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने घर और आसपास साफ-सफाई रखे तथा मच्छरों की रोकथाम के उपाय अपनाए, तो मलेरिया के खतरे को कम किया जा सकता है।

बहादुरगढ़। डॉ. संजीव कुक्कल।

मॉडल टाउन में डेढ़ सौ लोगों का स्वास्थ्य जांचा

बहादुरगढ़। शहर के मॉडल टाउन में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। पार्षद सचिन दलाल व दिप्ती शर्मा के सहयोग से लगे कैंप में गीतांजलि हॉस्पिटल की टीम ने डेढ़ सौ लोगों का स्वास्थ्य जांचा। डॉ. नरेंद्र शर्मा, डॉ प्रीति पाल व शिक्षा जायसवाल द्वारा उचित परामर्श दिया गया। मॉडल टाउन में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन कियया गया। कैंप के आयोजन में नरेंद्र भारद्वाज, जुगल किशोर गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, अरुण कुमार राणा, सुरेश कौशिक, गिरिश गुप्ता व रामअवतार सोमानी आदि ने सहयोग किया।

शिव ग्रुप सब्जी मंडी का 13वां कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ पांच अगस्त से

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शिव भक्त कांवड़ियों की सुविधा के लिए तैयारियां शुरू हो गई है। जिसको लेकर शिव कांवड़ सेवा समिति की बैठक बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर परिसर में प्रधान मनोज चुघ के नेतृत्व में हुई। जिसमें शिव ग्रुप सब्जी मंडी द्वारा संचालित झज्जर-सांपला मार्ग पर स्थित चौहान पैलेस में शुरू होने वाले 13वें विशाल कांवड़ सेवा शिविर के संबंध में विचार विमर्श किया गया। प्रधान मनोज चुघ ने बताया कि पांच से दस अगस्त तक शिविर लगाया जाएगा। जिसमें कांवड़ियों के भोजन, नहाने, ठहरने और दवाइयों की निःशुल्क सुविधा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पंडित पवन कौशिक द्वारा पांच अगस्त को सुबह नौ बजे यज्ञ के साथ कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान बाबा कांशीगिरि सेवा समिति के प्रधान सुधांशु हंस, उप-प्रधान राजकुमार चुघ, मनीष मेहता, वी के शर्मा, योगेश रंजन, सुनील चुघ, भारत भूषण हंस, भवित वर्मा, उमंग खुराना, मोहित गाबा, ईशान मेहता, सुभाष वर्मा, प्रिंस सेठी, हेमंत हंस, शिवम तनेजा, राजेंद्र वधवा, ध्रुव सेठी, अर्पित सेवक, केवल अरोड़ा, कृष्णा हंस, तरुण वर्मा, दीपांशु छाबड़ा, अमन वर्मा, पंकज भारद्वाज, देवेश शर्मा आदि रहे।

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित शिव ग्रुप सब्जी मंडी के पदाधिकारी और स्वयंसेवक।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/-
10× 8 सें.मी		रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

देवेंद्र यादव बने शिव मंदिर समिति के प्रधान

झज्जर। बैठक के दौरान मंदिर परिसर में एकत्रित समिति सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शहर के सुभाष नगर स्थित शिव मंदिर समिति की एक बैठक रविवार को मंदिर परिसर में संपन्न हुई। बैठक में मंदिर समिति की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति द्वारा देवेंद्र यादव को पुनः समिति का प्रधान चुना गया। इसके अलावा राकेश भारद्वाज को उपप्रधान, नवीन कौशिक को कैशियर, कैप्टन जगभगवान को सचिव तथा मोहित को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया। इस मौके पर यज्ञदत्त शर्मा, बाली सैनी, छत्तरसिंह कादियान, राजेंद्र सिंह दलाल, मास्टर नरेश नांदल, मास्टर रमेश जांगड़ा, सुभाष देशवाल, प्रवीन यादव, केशव शर्मा, अमूल छिक्कारा, सुदेश कौशिक, संजीत सेढ़ा, नरेश जांगड़ा, जगदीश, मास्टर सतबीर दहिया, कृष्ण कुमार को सक्रिय सदस्य बनाया गया। इसके अलावा सर्व सम्मति द्वारा आगामी आठ अगस्त को मंदिर में विशाल भंडारा का आयोजन करने संबंधी प्रस्ताव भी पारित किया गया।

झज्जर। पौधरोपण अभियान के अंतर्गत शहीदी पार्क में उपस्थित ग्रुप सदस्य।

शहीदी पार्क में पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

■ सर्वभद्र ग्रुप ने रविवार को ग्रीन झज्जर मिशन के अंतर्गत शहीदी पार्क में चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

सर्वभद्र ग्रुप द्वारा रविवार को ग्रीन झज्जर मिशन के अंतर्गत शहर के शहीदी पार्क में पौधारोपण अभियान चलाया गया। ग्रुप सदस्यों ने पार्क परिसर में पचास से अधिक पौधे रोपित करते हुए आमजन को भी पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के महत्व और पौधों की देखभाल के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का नेतृत्व सर्वभद्र ग्रुप के अध्यक्ष अजित कुमार सांभरवाल ने किया। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को देखते हुए प्रत्येक नागरिक को वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। इस मौके पर प्रतीक, तुषार, अनिल, मुकुल, दुष्यंत, जय भगवान, सुनील, निशा, प्रियंका, सिमरन और भूमि सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

'देना हो तो दीजिए जन्म-जन्म का साथ' पर झूमे भक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। श्रीराम मंदिर में भजनों की प्रस्तुति देते हुए गायक कलाकार। फोटो : हरिभूमि

हरिपुरा मौहल्ला स्थित श्रीराम मंदिर में भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जगदीश कटारिया, ललित गेरा, सतीश कटारिया, सुनील गेरा, संजय मक्कड़ ने श्याम बाबा व अन्य देवी देवताओं के भजनों की प्रस्तुति दी।

संजय मक्कड़ ने मेरे दाता के दरबार में सब लोगों का खाता...ललित गेरा श्याम के बिना तुम आधी तुम्हारे बिना श्याम आधे राधे राधे..सुनील गेरा ने मेरे घनश्याम प्यारे कन्हैया किस जगह तेरा जलवा नहीं है..सतीश कटारिया ने क्यूं घबराऊ मैं मेरा श्याम से नाता है.. युगल शर्मा ने देना हो तो दीजिए जन्म जन्म का साथ...जगदीश कटारिया ने बाबा का दरबार सुहाना लगता है.. नाम मेरा राधा रानी का जिस जिस ने गाया है, बांके बिहारी ने उसे अपना बनाया है....भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इस मौके पर संतलाल बुद्धिराजा, रामावतार गेरा, अश्वनी अरोड़ा, जगदीश चौपड़ा, प्रदीप गुलाटी, मुकेश सुखीजा, कृष्ण रोहिल्ला, सतीश गाबा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।